क्रम संख्या :– 17 मार्च – 2014

# साक्षी

## मसीह के सच्चे गवाहों के लिए एक पत्रिका

" हे यहोवा.... तेरी सब आज्ञाएँ सत्य है
.... उससे भोले लोग समझ प्राप्त करते हैं"
भजन 119:151, 130

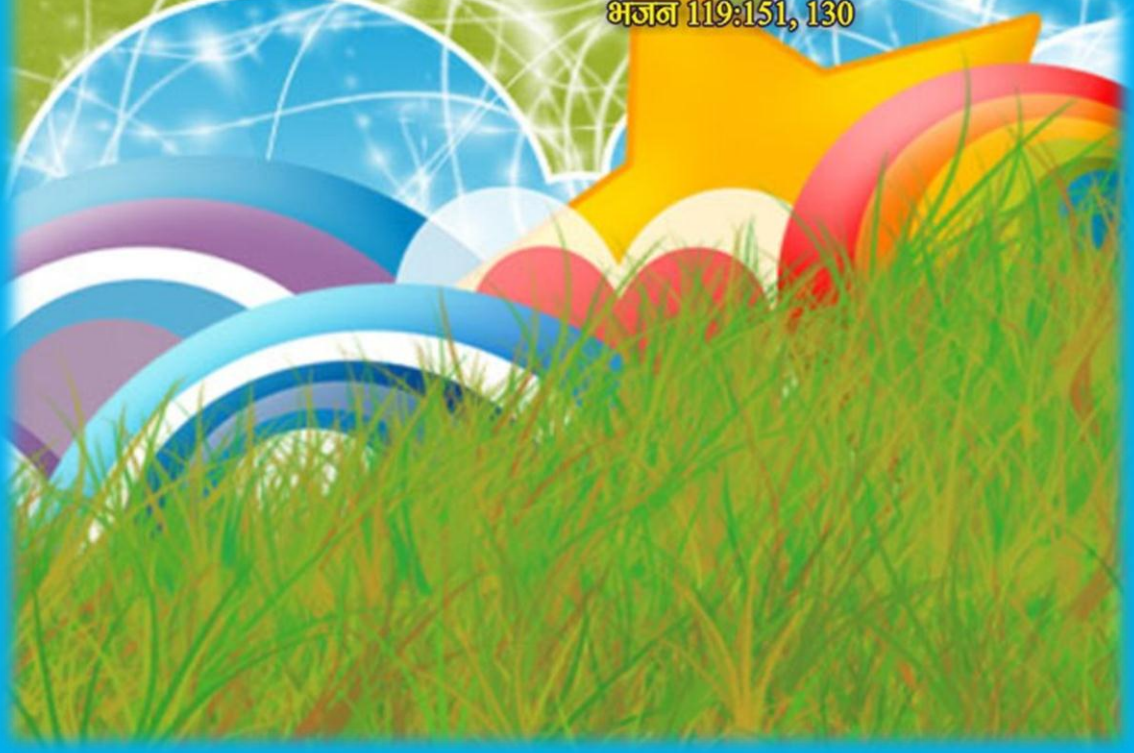

***Please send news & articles to :-***

**Jeby K. Simon**

Chief Editor (Sakshi)

'Santhwana'

Lohia Nagar, Katihar - 854105 (Bihar)

Mob. : 09470203962 / 08292941335

e-mail : jebyksimon@rediffmail.com

***Associate Editors***

**Jennings K. Simon (Darbhanga)**

Mob. : 09430520866

**Samson D'cruz (Khagaria)**

Mob. : 09431287603

**Special Advisory Board**

**Samuel B. Thomas (Mathura, UP)**

Mob. : 09410619725

**Santhosh Thomas (Jamtara, Jharkhand)**

Mob : 09431130895

**P. Samson (Chakradharpur, Jharkhand)**

Mob : 09934534152

''मैं दुःखी नहीं हुँ, मैं किसी ऐसी उत्तम सत्य की खोज में थी जो भारतीय शास्त्रों में उपलब्ध नहीं था, मैंने उसे बाईबल में पायी हूँ। अब मैं संतुष्ट हूँ।''

–पंडिता रमा बाई

## सम्पादक के कलम से

# 'कष्ट' अच्छा है !!

जीवन में कष्ट या परेशानी को झेलना, कोई पसंद नहीं करते हैं। अधिकतर धर्मो के प्रचारकगण कष्ट या परेशानी को हरने की बात सुनाकर लोगों को अपने ओर आकर्षित करते हैं। आज-कल कुछ "मसीही प्रचारकगण" भी प्रगती का सुसमाचार (Prosperity gospel) यानी बिमारों को चंगाई, गरीब को आर्थिक स्थिति में सुधार, बेरोजगारों को रोजगार इत्यादी बातों को सुनाकर प्रभु यीशु के पास आने का निमंत्रण देते हैं। परंतु पवित्र शास्त्र के नये नियम में मत्ती से लेकर प्रकाशित वाक्य तक लगभग सभी पुस्तकों में यह बात स्पष्ट तरीके से कही गई है - मसीही जीवन में कष्ट है (मत्ती 5:10-12, यूहन्ना 16:33, प्रेरितों 14:22, । थिस्सलुनिकि 3:3, 1 तिमुथि 3:12, इब्राणी 11:36-38, 1 पतरस 4:13,14, प्रकाशित वाक्य 2:10)। तो क्या, प्रभु हमें संकट या क्लेश देते हुए आनंद ले रहे हैं ? बिलकुल नहीं। हमारे भलाई ही के लिए हमें वह क्लेश से गुज़रने देते हैं।

1. विश्वासीगण पाप में गिरने के पश्चात जो दु:ख एवं तकलीफ उसके जीवन में प्रभु की ओर से आते हैं, वे इस बात का प्रमाण है कि हम उनके बच्चे हैं। (इब्राणी 12:5-8) तो भले ही हम तकलीफ में हो, यह मालूम होना हर्ष की बात है कि हमारे लिए स्वर्ग में एक पिता है।
2. यदि आप सताये जा रहे हों तो यह प्रमाणित करता है कि आप एक भक्तिपूर्ण मसीही जीवन जीना, चाहने वाले हैं। (2 तिमुथि 3:12,। पतरस 4:4)
3. क्लेश हमें परिपक्व एवं आशा से भरपूर बनाते हैं। (रोमि 5:13)
4. सतावट एवं क्लेश, बड़े-बड़े आत्मीक एवं सांसारिक आशिषों को ले आते हैं। (मत्ती 3:10-12, 19:29, प्रेरितों 16:22-33)
5. क्लेश के समय विश्वासीगण प्रभु की उपस्थिति को ज्यादा अनुभव कर पाते हैं। (उत्पत्ति 39:2,23, दानिएल 3:24, 25, प्रेरितों 12:6,7: भजन 23:4)

अंतिम बात ज़्यादा आनन्द देने वाली है। हाँ, यह सच है, ज़्यादातर प्रभु के लोग प्रभु का दर्शन तब पाये हैं, जब वे कठिन परेशानीयों से गुजर रहे थे। स्तिपनुस जब पथराव सह रहा था, उसने खुला स्वर्ग एवं यीशु को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखा। शद्रक, मेशक एवं अबेदनगो जब धधकते हुए भट्टे की आग में थे, प्रभु स्वयं उनके संग आग में चल-फिरे। साधु सुन्दर सिंह हाथ-पाँव टूटे हुए स्थिति में तिब्बत के एक गड्ढे में जब पड़ा हुआ था, जिसका द्वार ग्रामीणों ने बंद किया था, आधी रात के समय उसको बचाने के लिए प्रभु स्वयं आ गये। सब कोई हमें जब छोड़ देते हैं, कोई हमारी मदद के लिए जब नहीं रहता है, प्रभु हमारे पास आ जाता है, सांत्वना एवं सहायता लेकर! तो बताइए, कष्ट अच्छा है ना ?

(जेबी० के० साईमण, कटिहार)

# मनुष्य का पाप एवं उसका परिणाम

पी.जे. टॉमी (पटना)

तथा-कथित धार्मिक ग्रन्थों में मनुष्य जीवन पर प्रभावित पाप के सम्बन्ध में सुव्यक्त सूचनाएँ कोई देख नहीं पायेगें। परंतु पवित्र शास्त्र बाईबल पढ़नेवाले कोई भी स्त्यान्वेषी, मनुष्य का पाप तथा उसकी नतीजा जो मनुष्य जीवन को दु:खमय कर दिया, इत्यादि विषयों पर स्पष्ट सूचनाएँ देख पायेंगे। परमेश्वर द्वारा सृष्टी की गई मनुष्य का प्रथम पाप आज्ञा का उल्लंघन था। (उत्पत्ति 3:1-8, रोमि 5:12-19, 1 कुरिन्थि 15:21,22, । तिमुथी 2:13,14) यह अनाज्ञकारिता ही पाप था, जिसके फलस्वरूप मनुष्य अपना वास्तविक निष्पाप स्थिति से गिर गया और पापी बन गया। (उत्पति 3:7-12) मनुष्य में पाप की परीक्षा उसके स्वयं से नहीं आई थी, परंतु शैतान में उत्पन्न होकर सर्प के माध्यम से आया था। (उत्पति 3:1-5) आदम बहकाया न गया था, पर हव्वा बहकाने में आकर पापी बन गई थी। आदम, हव्वा को सहमती दे रहा था। (1 तिमुथि 2:14) पाप के सम्बन्ध में कुछ विशेष बातें, बाईबल हमारे सामने रखती है।

1. पाप, परमेश्वर के विरुद्ध किया जाने वाला कार्य है। (भजन 5:4)
2. पाप, परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन है। (1 यूहन्ना 3:4)
3. पाप की सज़ा होगी। (रोमि 6:23)
4. पाप सार्वभौमिक है। (रोमि. 3:23)
5. मनुष्य स्वभाव से पापी है। (इफिसी 2:3)
6. मनुष्य कर्मो से भी पापी है। (मत्ती 15:19)

## मनुष्य का पाप एवं पराजय का अविलंब परिणाम

1. पुरुष एवं स्त्री पर - आत्मीक एवं शारीरिक मृत्यु के अधीन हो गये। (उत्पत्ति 2:17, 3:19) वे प्रेमी परमेश्वर से डरने लगे। (उत्पत्ति 3:7) उन्हें परमेश्वर ने अदन की वाटिका से निकाल दिया। (3:24)
2. पुरुष पर - धरती श्रापित हो गई तथा थकते हुए मेहनत करना उसकी मजबूरी हो गई। (उत्पत्ति 3:17-19)
3. स्त्री पर - पुरुष के अधीन हो गई तथा बच्चों को जन्म देना, एक दर्दमय कार्य बन गया। (उत्पत्ति 3:16)
4. सर्प पर - सर्वाधिक शापित एवं सटीसृप (रेंगनेवाला) पशु बन गया। (उत्पत्ति 3:14)
5. शैतान पर - प्रभु यीशु की भावी मृत्यु द्वारा, न्याय का होना, उस पर नियुक्त किया। (उत्पत्ति 3:15)

(जारी रहेगा)

दाख की बारी से

# हिमालय शिखरों पर शुभ संदेश का शंखनाद

सन् जनवरी 2007 तक नेपाल दुनियाँ का एक मात्र हिन्दु राष्ट्र था जहाँ दुनिया के 14 ऊँचे शिखरों में से एवरेस्ट सहित आठ स्थित है। नेपाल के उत्तर दिशा में चीन एवं पर्वत समूह है और अगले तीन दिशाओं में भारत भी है। काठमाण्डू इसकी राजधानी है। लगभग 125 मूल निवासी का वास स्थान, नेपाल में, लगभग 92 भाषाएँ भी बोली जाती है। सन् 1950 तक यहाँ सुसमाचार प्रचार करना मना किया गया था। लगभग तीन करोड़ की आबादी के इस देश में सुसमाचार का प्रथम प्रचार की सूचना उपलब्ध नहीं है। उपलब्ध कुछ अन्य जानकारियों के अनुसार सन् 1908 के दर्मियान विख्यात मिसही प्रचारक साधु सुन्दर सिंह, नेपाल के 'इलम' नामक जगह में प्रचार किया था, जहाँ अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार करके जेल में डाल दिये थे। जेल के अंदर भी प्रचार जारी रखने के कारण वे उनके शरीर पर जोंकों को डालकर मरने के लिए शहर के बीच छोड़ दिया। परंतु रात के समय किसी रहस्य मिशन स्टेशन से मसीही लोग आकर उन्हें ले गये। इससे हम ये अनुमान लगा सकते हैं कि कई वर्षों के पूर्व से वहाँ मसीही लोग हैं, परंतु इसकी ठीक सूचना उपलब्ध नहीं है। सन् 1950 में प्रजातंत्र लागू होने के पश्चात कई मसीही संस्थाओं द्वारा खुले आम प्रचार किया जाने लगा।

भाई सैम परिवार के साथ

सन् 1998 जून महीने में केरल के तिरुवला स्थित, मंजाडी बेथेल ब्रदरण

एस्सेम्बली द्वारा भाई सैम जी. जॉन एवं बहन लेनी को मसीही प्रचार हेतु नेपाल भेजी गई। नई भाषा सीखना एवं नये संस्कार के साथ मेल करना उनके लिए आसान नहीं था। परंतु सारी परेशानियों का सामना करते हुए वे दोनों नेपाल के धरान में प्रभु की सेवा प्रारंभ किया। घंटे-घंटे पैदल चलते हुए पहाड़ों में स्थित गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया। सन् 1999 में दो जवान लोग प्रभु में आयें, जो उन्हें प्रभु की सेवा में दृढ़ता के साथ खड़े रहने का हिम्मत प्रदान किया। आज धरान में एक अच्छी कलीसिया है। आराधना सभा के अलावा, बच्चों की सभा प्रार्थना सभा बहनों की सभा, साप्ताहिक बाईबल अध्ययन, जवानों की सभा, सुसमाचार प्रचार इत्यादी भी कलीसिया द्वारा नियमित तौर पर आयोजित की जाती है। सन् 2012 में इटहरी नामक जगह में भी एक कलीसिया प्रारंभ होने में प्रभु मदद की, जहाँ लगभग 27 जन प्रत्येक सप्ताह आराधना में शामिल होते हैं।

भाई सैम जी. जॉन एवं बहन लेनी को दो बच्चे हैं, जिनके नाम तिमोथी एवं दानिएल है। नेपाल की सेवा में आपकी प्रार्थना एवं सहयोगिता अनिवार्य है। वास्तव में नेपाल कटनी के लिए तैयार खेत है। मजदूरों की आवश्यकता है।

भाई सैम जी. जॉन का पता
SAM G. JOHN
Dharan Brethren Assembly, P.O. Box No. 36, Dharan, Sunsari, Nepal - 56700
Mob. : +9779842052386, +97725533561 (Res)
Email : samleni@ntc.net.in, samleni1996@gmail.com

## दुनियाँ के चारों ओर से

- 75 वर्षीय मसीही प्रचारक जॉन शॉर्ट, जो आस्ट्रेलिया के नागरिक हैं उत्तर कोरिया में प्रचार के दर्मियान गिरफ्तार किया गया। उनकी पत्नी श्रीमती कॉरन शॉर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के समय वह कोरियायी भाषा के पुस्तकों को बाट रहे थे। दिनांक 3.2.14 को बी.बी.सी. द्वारा दिखाया गया समाचार के अनुसार अंतराष्ट्रीय समूह के दबाव में आकर, उत्तर कोरिया, भाई शॉर्ट को रिहा करने का विचार कर रहा है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साईन्स, बैंगलूर के प्रोफेसरों द्वारा संस्थापित, स्ट्रैंड लाईफ साईन्सेस नामक संस्थान को कृत्रिम कलेजी का निर्माण करने का पेटेंट एक अमेरिकी कंपनी द्वारा दिया गया। स्ट्रैंड लाईफ के प्रोफेसरों के अनुसार यह कृत्रिम कलेजी, वास्तविक कलेजी सा कार्यरत होगी।
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अनुसार भारत के 1.45 लाख बच्चे एड्स से प्रभावित हैं। सर्वोच्य न्यायालय को दिया गया एक रिपोर्ट में इसकी सूचना दी है।

# 'ऊर्जा का जादू'

**जैम्स वर्गीस ( I.A.S. ) त्रिवेन्द्रम**
**वर्गीस चाको ( M.B.A. ) मुम्बई**

ऊर्जा (Energy)के चार विशेष गुण है । (1) उसे देख नहीं सकता (2) उसका नाश नहीं कर सकता (3) उसका पुन: निर्माण नहीं कर सकता (4) जैसे-जैसे पुराने होते हैं, वैसे-वैसे वे बेउपयोगी भी होते हैं। अब इन बातों पर कुछ विचार-विमर्श करेंगे। ऊर्जा को हमारी नग्न नेत्रों से देखना असंभव है। विज्ञान की भाषा में कही जाय, अदृश्य ऊर्जा का दृश्य रूप है पदार्थ (matter)। कहने का तात्पर्य है, कि जितने वस्तु को हम देखते हैं वे सभी अनदेखी ऊर्जा का दृश्य रुप है। पवित्र बाईबल भी ऊर्जा के संबंध में यही बात कहती है। "...यह नहीं कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना हो।" (इब्रानि. 11:3) यहाँ किसी अदृश्य वस्तु की चर्चा की जा रही है, जो दृश्य वस्तुओं की सृष्टी का 'कारण' है। "... क्योंकि देखी हुई वस्तुएँ थोड़े ही दिन की है, परंतु अनदेखी वस्तुएँ सदा बनी रहती है।" (2 कुरिन्थी 4:18) एक परमाणु में चक्र लगाते रहने वाले इलेक्ट्रॉन कणों द्वारा खर्च किये जानेवाले ऊर्जा का तौल बहूत है, पर उसका श्रोत अप्रगट भी है। परंतु यह ऊर्जा नहीं रहने पर परमाणु ही नाश हो जाएगा। यह बात भी बाईबल में हम देख सकते हैं।" "वही सब वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएँ उसी में स्थिर रहती है।" (कुलुस्सि 1:17) (He is before all things, and in Him all things hold together) कितने बड़े आध्यात्मिक सत्य प्रगट किये गये हैं!! सभी दृश्य वस्तुओं का आधार, श्रोत, एवं रखवाला वो अदृश्य परमेश्वर है। यह बात नि:संदेह की है कि, ऊर्जा के श्रोत की खोज मनुष्य को सृष्टिकर्ता परमेश्वर के पास पहूँचायेगी।

## सुसमाचार कनवेनशन

| | | |
|---|---|---|
| स्थान | : | सामुदायिक भवन, मुंगेर (बिहार) |
| तिथि | : | 22 एवं 23 अप्रैल ' 2014 |
| वक्ता | : | जेबी के. साईमण् ( कटिहार ) |
| संगीत | : | बेन्जामिन राऊत (छत्तीसगढ़) एवं सोमन बसरा (झारखंड) |
| आयोजक | : | शारोन ब्रदरण एस्सेम्बली, मुंगेर (बिहार) |
| सम्पर्क करें | : | अवध बिहारी लाल (Evg.) मो. : 9504444648 |

# अहंकार का परिणाम

बहुत पहले एक जंगल में एक दरियाई घोड़ा रहता था। दरियाई घोड़ा सोचता था कि जंगल के सबसे सुन्दर जानवर मैं ही हूँ, और बाकी सभी जानवर कुरुप हैं। वह चाहता था कि सभी जानवर उसका आदर करें और यहाँ तक कि जंगल का राजा शेर भी, उसका आदर करें। जंगल में ऐसा कोई जानवर नहीं था, जिसका दरियाई घोड़ा मज़ाक नहीं करता था। क्या कहे, सभी जंगली जानवर इसके कारण परेशान थे। परंतु डर के कारण कोई उससे कुछ नहीं बोलते थे। यहाँ तक कि हाथी भी उससे डरता था। उसका छाया भी देखने पर सभी जानवर भाग जाते थे। कितने दिन ऐसे चलें, इस समस्या का कोई समाधान तो चाहिए ना! एक दिन, राजा शेर खान की अध्यक्षता में जंगल में एक सभा हुई। दरियाई घोड़ा का अहंकार समाप्त करने हेतु कई निर्देश, विभिन्न जंगली जानवरों द्वारा रखे गये। परंतु उनमें से एक भी लागू करने लायक नहीं था। अंत में बंदर ने एक सुझाव रखा। सब कोई सुझाव का स्वागत किया। फैसला हुई कि अगले ही दिन सुझाव को लागू किया जाय। अगले दिन बंदर और लोमड़ी, जंगल के नज़दीक, एक गाँव में गये। जिस काम करने के लिए वे वहाँ पहुँचे उसे करने के बाद दोनों लौट गये। अगले दिन सवेरे, दोनों बंदर और लोमड़ी दरियाई घोड़ा के घर पर पहुँचा और उसे जगाया। जैसे ही नींद टूटी, दरियाई घोड़ा आकर दरवाजा खोला। बंदर और लोमड़ी को देखकर वह बोलने जगा, ''हूँ, सुबह-सुबह तुम दोनों गंदे जानवर, मेरे घर पर क्यों आये हो ? क्या चाहिए ?'' भैय्या, मालूम है, जंगल में एक बहूत ही सुन्दर जानवर आ गया है। पता है, उसे देखने में बड़ा मज़ा आता है। ''बंदर ने कहा।'' सुन्दर..... क्या मुझसे भी ज़्यादा सुन्दर है? ''वो तो हम कैसे बतायें ? सब कोई कहते हैं कि आप से भी 10 गुणा वो ज़्यादा सुन्दर है। लेकिन हम दोनों तो नहीं माना''। ''अच्छा, ऐसी बात है, मैं भी आता हूँ, उसको मुझे भी देखना है, कहाँ है वो, मुझे दिखा दो''। ''अच्छा, आईए, हमलोग दिखाते हैं।'' दरियाई घोड़ा आगे-आगे चलने लगा, पीछे-पीछे बंदर और लोमड़ी भी....। कुछ दुरी के बाद, बड़ी भीड़ दिखाई दी। सभी जंगली जानवर वहाँ इकट्ठे थे। दरियाई घोड़ा थोड़ा सिर उठाकर आगे बढ़ा। सब कोई ज़रा हटके रहा। जैसे ही वहाँ पहुँचा, वह गर्जते हुए पूछा! ''कहाँ है वो सुन्दर प्राणी ? बाहर आजाओ''। देखिए ना, वहाँ पे है'', बंदर इशारा किया। तब वह उस जानवर को देखा। ''हा...हा...हा....., अरे यह कुरुप को देखकर तुम सभी बेवकूफलोग सुन्दर कहते हो ? मोटा देह, बड़ा मूँह, और एक ऐसा सींग, देख कर तो घृणा आती है। अरे मुझको तो उलटी आ रही है।'' मेरे सामने से हटने के लिए कहो, नहीं तो ....., इतना गंदे किसी जानवर को तो मैं अपनी ज़िंदगी में कभी नहीं देखा हूँ।'' दरियाई घोड़ा की बात सुनकर सभी जानवर हँसने लगा। तब वह पूछा ''अरे क्यों तुम सब बेवकूफ हँसते हो ?'' तब हिम्मत बाँधकर बंदर कहने लगा, ''अरे मूर्ख, पता है तुम किसके विषय में ये सब बातें कह रहे हो? तुम ही तो हो। जो रूप तुम देख रहे हो वो तो तुम्हारा अपना ही है। शक है तो देखो, यह तो एक शीशा है''...!!! जब दरियाई घोड़े को यह पता चला कि उसका रूप और जानवरों से भी कुरुप है, वह उस जंगल से भाग, एक दुसरे जंगल में जा बसा। पवित्र शास्त्र बाईबल कहती है, ''क्योंकि जो कोई अपने आपको बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा, और जो कोई अपने आपको छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा''। (लूका 14:11) प्यारे बच्चों, आईए हम अपने आपको दीन एवं नम्र बनायें, ताकि प्रभु उचित समय पर हमें उठायें। (1 पतरस 5:6)

# बाईबल प्रश्नोत्तरी

## बाईबल प्रश्नोत्तरी– 17

जेन्निंगस के सैमण ( दरभंगा )

( सभी प्रश्न यहोशु की पुस्तक से है )

1. .....की वाचा का सन्दूक (3, 9, 15)
2. जाकर उस देश और .....को देखो (3, 4, 5)
3. नून के पुत्र .....(8, 9, 10)
4. उसने लाल रंग की .....को खिड़की में बाँध दिया। (1, 2)
5. .....को यपुन्ने के पुत्र कालेब का भाग कर दिया (6, 12, 18)
6. .....के राजा अदोनीसेदेक (8,14, 20, 26, 32)
7. .....कहनेवाले बिलाम (11, 17)
8. .....के गोत्र को मूसा ने कोई भाग न दिया (16, 17)
9. ..... के बीच में मनश्शेई स्त्रीयों को भी भाग मिला। (7,13,19,25,31)
10. ..... हेब्रोब का पुराना नाम (21, 22, 23, 24)
11. कालेब की पुत्री के पति (27, 28, 29, 30)
12. तेरह दूसरे .....की उपासना करते थे। (33, 34, 35, 36)

बाईबल प्रश्नोत्तरी 16 के विजेता

**चन्द्र भूषण चौधरी ( पूर्णिया, बिहार ) एवं**

**निमिषा चौहान ( ओरंगाबाद, महाराष्ट्र )**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 |

सही उत्तर दिये गये अंकों के अनुसार कॉलम में भर दें।
विजयी को पुरस्कार दिया जायेगा।
उत्तर मुख्य संपादक के पते पर या
jebyksimon@rediffmail.com
में स्केन करके भेज सकते हैं।

# BENGAL BIBLE TRAINING INSTITUTE, JAMTARA

## PRAYER MATTERS

1. बी.बी.टी.आई. के पूर्व विद्यार्थियों के लिए 'रीफ्रेशेर्स कोर्स'

   तिथि- 3 से 4 अप्रैल 2014, भाई जॉर्ज मैथ्यू (केनाडा), भाई रोय मैथ्यूस (दोहा), भाई जॉन सी. एब्राहम (बहरैन) एवं भाई एबी सैम (असम) आदी लोग क्लास लेंगे। सभी पूर्व विद्यार्थियों को निमंत्रण है।

2. वर्तमान कालीन बी.बी.टी.आई. विद्यार्थियों का दीक्षांत समारोह (Graduation Ceremony) तिथि 5 अप्रैल 2014 (पश्चिम बंगाल एवं झारखंड के सभी प्रचारकगण को सादर आमंत्रण है) भाईगण जॉर्ज मैथ्यू, रोय मैथ्यूस, जॉन सी. एब्राहम आदी लोग भाग लेंगे। भाई टी.जे. जॉसफ (अलवर) मुख्य अतिथि होंगे। भाई सैमुएल कुरियन द्वारा समर्पण प्रार्थना की जाएगी।

3. सिस्टेर्स कैंप (2014 अप्रैल 10 से 19 तक केवल बहनों के लिए) बहन मेरी पॉल (कोट्टायम्), बहन सूसन सेबास्टियन (थ्रिश्शुर) बहन शिबी अनिल कुमार (थ्रिश्शुर), बहन फेबा मेरी डेनिएल (पत्तनमतिट्टा) बहन लवली जॉनस (राँची), बहन सुनिजा गोल्ड बहिन (इडुक्की) एवं बहन रिनु संतोष थॉमस (जामताड़ा) आदी लोग नेतृत्व करेंगे।

4. ग्रीष्म कालीन बाईबल अध्ययन कार्यक्रम (केवल भाईयों के लिए) तिथि 20 से 28 अप्रैल 2014 - भाईगण हरभूषण रावना (छत्तीसगढ़) अनिल कुमार (केरल) शैन पी. अस्सी (बैंगलूर) एवं जैम्स अनल (जामताड़ा) नेतृत्व करेंगे।

5. बी.बी.टी.आई. का नया सत्र दिनांक 5 जूलाई 2014 से प्रारंभ होगा।

6. पीस आऊट टीच टीम, जामताड़ा द्वारा सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम, झारखंड के पाँच जिलाओं में (छतरा, पलामु, डालटनगंज, लतेहार एवं गढ़वा)

7. सिस्टर्स बाईबल ट्रेनिंग सेंटर के नया मकान का प्रथम भाग का उद्घाटन एवं नया सत्र का शुभारंभ (तिथि अक्टूबर 2014).

- संतोष थॉमस, जामताड़ा

प्रबंधक, बी.बी.टी.आई.

# आध्यात्मिक प्रवचन
# एवं संगीत संध्या

स्थान :

उच्च विद्यालय मैदान, नवागढ़ी (बिहार)

तिथि :

24 एवं 25 अप्रैल 2014

वक्ता :

जेबी के. साईमण, (कठिहार)

संगीत :

बेन्जामिन राऊत (छत्तीसगढ़) एवं

सोमन बसरा (झारखंड)

आयोजक :

बेथेल प्रार्थना भवन (कलीसिया) नवागढ़ी (बिहार)

सम्पर्क सुत्र :

निरंजन पासवान (Evg.)

मो. : 9801294693, 9709960449

# क्या आप जानते हैं ?

भारत की जनसंख्या लगभग 1,27 करोड़ है। अनुमान किया जाता है कि 2030 तक भारत दुनियाँ के सर्वाधिक मनुष्य आवासीय देश होंगे। भारत की आबादी के 40 प्रतिशत लोग 18 वर्ष या उससे कम उम्र की है। भारत के बच्चों में, जो 6 से 14 वर्ष के हैं, 50 प्रतिशत ही विद्यालयों में जाते हैं। 53 प्रतिशत लड़कियाँ जो 6 से 14 वर्ष के अंदर है, निरक्षर हैं। 30 लाख बच्चे सड़कों में रहते हैं। 1.5 करोड़ बच्चे मजदूरी करते हैं। प्रत्येक 6 में एक लड़की अपना 15वाँ जन्मदिन तक नहीं रहती हैं। भारत के लगभग 20 लाख बच्चे जो 5 से 15 वर्ष के हैं, व्यावसायिक वेश्यावृत्ति करते हैं। लगभग 35 लाख बच्चे जो वेश्यावृत्ति करते हैं, वे मात्र 15 से 18 वर्ष के हैं।

Printed and published by SAKSHI Team at Ganpati Offset Press, Katihar